ग्रामाभ्युदयादेव देशाभ्युदयः
गोविन्द बल्लभ पन्त कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कृषि मौसम विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय
पन्तनगर–263145 उधम सिंह नगर (उत्तराखण्ड)
फोन नम्बरः 05944–233032

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा बुलेटिन, जनपद – नैनीताल

उपमहानिदेशक (कृषि मौसम विज्ञान), भारत मौसम विज्ञान विभाग, पुणे | निदेशक, मौसम केन्द्र, देहरादून

वर्षः 28	अंकः 14	बुलेटिन अवधिः 16–20 फरवरी, 2019	दिनः शुक्रवार	दिनाँकः 15 फरवरी, 2019

मौसम पूर्वानुमानः

भारत सरकार के **पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय** द्वारा वित्त पोषित एवं **भारत मौसम विज्ञान विभाग** द्वारा संचालित ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना के अन्तर्गत **राष्ट्रीय मौसम पूर्वानुमान केन्द्र, भारत मौसम विज्ञान विभाग, मौसम भवन, नई दिल्ली** द्वारा पूर्वानुमानित तथा **मौसम केन्द्र, देहरादून** द्वारा संसोधित पूर्वानुमानित मध्यम अवधि मौसम आँकड़ों के आधार पर कृषि मौसम विज्ञान विभाग में स्थित कृषि मौसम विज्ञान प्रक्षेत्र इकाई (AMFU), गो0 ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्यो0 विश्वविद्यालय, पन्तनगर द्वारा **नैनीताल जिले के पर्वतीय क्षेत्रों में अगले पाँच दिनों** में निम्न मौसम रहने की संभावना व्यक्त की जाती है :–

पूर्वानुमानित मौसम तत्व	मौसम पूर्वानुमान – नैनीताल				
	16/02/2019	17/02/2019	18/02/2019	19/02/2019	20/02/2019
वर्षा (मिमी0)	8	0	0	8	3
अधिकतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	15	17	18	18	17
न्यूनतम तापमान (डिग्री से.ग्रे.)	3	2	2	4	6
बादल आच्छादन	घने बादल	आंशिक बादल	साफ	मध्यम बादल	मध्यम बादल
अधिकतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	85	80	80	85	85
न्यूनतम सापेक्षित आर्द्रता (प्रतिशत)	45	40	40	45	45
वायु की औसत गति (कि0मी0 प्रतिघंटा)	008	004	006	006	004
वायु की दिशा	पूर्व–दक्षिण–पूर्व	पूर्व–दक्षिण–पूर्व	उत्तर–पश्चिम	उत्तर–पश्चिम	पूर्व

भारत मौसम विज्ञान विभाग के नैनीताल स्थित मौसम विज्ञान वेधशाला (समुद्रतल से ऊँचाई–2084 मीटर) के प्रेक्षणानुसार विगत सात दिनों (8–14 फरवरी 2019) में आसमान साफ रहने के साथ कही–कही आंशिक से घने बादल छाये रहे तथा अधिकतम तापमान 9.5 से 15.3 डि0से0 एवं न्यूनतम तापमान 1.7 से 5.2 डि0से0 के बीच रहा। ऐसे अनुमानित मौसम में गो0ब0 पन्त कृषि एवं प्रौद्यो0 विश्वविद्यालय, पन्तनगर के वैज्ञानिकों द्वारा इस क्षेत्र के कृषक भाइयों को सलाह दी जाती है कि इस मौसम में विभिन्न फसलों के लिए खेतों में निम्नानुसार कार्यक्रम अपनायें।

कृषि मौसम परामर्श

फसल	अवस्था	कृषि मौसम सलाह समिति द्वारा किसानो हेतु कृषि सलाह
गेहूं, जौ	बूटिंग	पिछले कुछ दिनो मे वर्षा को ध्यान मे रखते हुए किसान भईयो को सलाह दी जाती है कि आगामी कुछ दिनो तक फसलो मे सिंचाई व उर्वरको का छिड़काव न करें।
गन्ना	पुराना गन्ना – कटाई नौलख गन्ना– रोपाई	पेड़ी गन्ना प्राप्त करने हेतु नौलख फसल की कटाई 15 फरवरी से पहले शुरू न करें। नई फसल की बुवाई मौसम को ध्यान मे रखकर करें।
प्याज, लहसून	वानस्पतिक बढ़वार	प्याज और लहसुन की पत्तियॉ उपर से पीली पड़ने पर प्रोपीकोनाजोल या टेबूकोनाजोल का 1 मिली0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करे।
आलू	खेत की तैयारी	आलू की बुवाई हेतु खेत की तैयारी कर अन्तिम सप्ताह में कुफरी ज्योति किस्म की बुवाई करें। साथ ही 4–5 कुन्तल गोबर की खाद के साथ 2.5 कि0ग्रा0 डी0ए0पी0 तथा 2 कि0ग्रा0 पोटाश उर्वरक प्रयोग करें।
टमाटर, शिमलामिर्च, बैंगन आदि	शिमलामिर्च– रोपाई टमाटर– फूल	पॉलीहाउस मे इन सब्जियो के प्रतिरोपण हेतु नर्सरी बेड तैयार कर अच्छी किस्म के बीजो की तैयारी करें।
सेब, नाशपाती, अखरोट, खुबानी आदि	बुवाई	पूर्व में आरक्षित किये शीतोष्ण फल वृक्षो जैसे सेब, नाशपाती, खुबानी, अखरोट आदि फल वृक्षो को लगाने का कार्य प्रारम्भ करे।
पशुपालन	–	भैंस के 1–4 माह के नवजात बच्चों की आहार नलिका में टाक्सोकैराविटूलूरम (केचुआँ/पटेरा) नामक परजीवी पाए जाते है। इसे पटेरा रोग भी कहते है। पटेरा रोग से बचाव हेतु प्रसव होने के 10 दिन पश्चात् 10–15सी0सी0 नीम का तेल नवजात को पिला दें। तदुपरांत 10 दिन पश्चात् पुनः 10–15 सी0सी0 नीम का तेल पिला दें। बथुए का तेल इसका रामबाण इलाज है।
मुर्गी पालन	–	मुर्गियों के आवास के तापमान का अनुरक्षण करें। सरद ऋतु मे बिछावन की मोटाई बढा दे जिससे कुक्कुट को पर्याप्त गर्मी मिलती रहे।

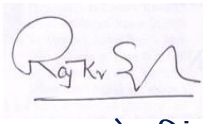

डा0 आर0 के0 सिंह
प्राध्यापक एवं प्रिंसिपल नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा,
गो.ब. पन्त कृषि एवं प्रौद्यो. विश्वविद्यालय, पन्तनगर